करनाटक की तरज पर अब उततर प्रदेश में होगा खेती का सरवे

चरचा में क्यों?

1 जनवरी, 2023 को उततर प्रदेश के कृषिमंत्री सूरय प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश में अब करनाटक की तरज पर खेती का सरवे किया जाएगा। अभी तक प्रदेश में अनुमान के आधार पर रबी, खरीफ व जायद की खेती के कषेत्रफल, उतपादन, प्राकृतिक आपदा पर हुए नुकसान संबंधी आँकड़े जुटाए जाते थे।

प्रमुख बिंदु

- कृषिमंत्री सूरय प्रताप शाही ने बताया कि अगर सब कुछ ठीक-ठाक चला तो एक साल बाद यह साफ-साफ पता चल सकेगा कि किस ज़िले के किस किसान के पास कितनी खेती है। रबी, खरीफ और जायद में उसने कितने रकबे में क्या बोया और कितना बोया। कितना उतपादन हुआ। इन सबके अब सटीक आँकड़े मिलेंगे। इनका डिजिटिलीकरण भी होगा।
- विदित है कि अभी तक कृषि और राजसव विभाग दवारा ज़िला सतर पर अनुमान पर आधारित प्रदेश की खेतीबारी के आँकड़े जुटाए जाते हैं।
- उनहोंने बताया कि प्रदेश में कृषि कषेत्र में सेटेलाइट मैपिंग की तैयारी की जा रही है। सेटेलाइट से ज़िलेवार, बलाकवार हर गाँव में किसानों के खेतों के आकार प्रकार, फसलों की बोवाई, उतपादन आदि की सटीक जानकारी मिल सकेगी। उसी के अनुरूप किसानों को आवशयक खाद, रसायन आदि उपलबध करवाया जाएगा और फसलों के चयन के बारे में एडवाइजरी दी जाएगी।
- उनहोंने बताया कि अभी तक तो प्रदेश में खेतीबारी का सारा बयौरा अनुमान के आकलन पर संकलित होता है। इसमें पूरी तरह साफ-साफ यह पता नहीं चल पाता कि किस किसान ने कितने कषेत्रफल में कौन सी फसल बोयी। अतिवृषटि, बाढ़, पाला, अगनिकांड जैसी आपदा के समय भी सही-सही जानकारी जुटाने में काफी दिक्कत पेश आती है।
- गौरतलब है कि पिछले दिनों करनाटक के कृषि व राजसव विभाग के अफसरों ने अपने राजय में लागू सेटेलाइट सरवे के मॉडल का प्रसतुतीकरण उततर प्रदेश में आकर किया। कृषिमंत्री सहित विभाग के अनय वरिषठ अधिकारियों को भी यह मॉडल पसंद आया। इसे सवीकृत किया गया और अब इसे उततर प्रदेश में संचालित करने की तैयारी की जा रही है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agriculture-survey-will-be-done-in-uttar-pradesh-on-the-lines-of-karnataka